

मुख्यमंत्री ने किसानों को दी सौगात

धार-झाबुआ के 260 गांवों को मिलेगी सिंचाई की सुविधा, 2387 करोड़ की परियोजना का लोकार्पण



▶▶ 16.70 लाख किसानों के खातों में फसल बीमा के 317.86 करोड़ रुपये अंतरित

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपाल: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को धार में 2,387.60 करोड़ रुपये की लागत वाली नर्मदा-झाबुआ-पेटलावद-थांदला-सरदारपुर सुक्ष्म उद्ग्रहन सिंचाई परियोजना का लोकार्पण किया। परियोजना से धार और झाबुआ जिले

के 260 गांवों की 57,422 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई सुविधा मिलेगी। इससे लगभग 72 हजार किसान लाभान्वित होंगे। मुख्यमंत्री ने जिले में 188 करोड़

रुपये के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन भी किया। मुख्यमंत्री ने रबी वर्ष 2025-26 के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के

जिले में चार पुलों, विद्यालय भवनों और 50 बिस्तरों वाले अस्पताल सहित विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया। कन्या विद्यालय भवन, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान भवन और अमका-झमका माता मंदिर के विकास सहित 188 करोड़ रुपये के 35 नए कार्यों का भूमिपूजन भी हुआ। कार्यक्रम में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया, सांसद अनीता नागर सिंह चौहान सहित जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

भूमिगत पाइप प्रणाली से खेतों तक पहुंचेगा पानी

परियोजना के तहत कुक्षी तहसील के चंदनखेड़ी गांव के पास नर्मदा नदी से पानी उठाकर माही नदी में छोड़ा जाएगा। इसके बाद भूमिगत पाइप नहर प्रणाली के माध्यम से खेतों तक दबावयुक्त जल पहुंचाया जाएगा। धार जिले के सरदारपुर तहसील के 66 गांवों की 25,422 हेक्टेयर और झाबुआ जिले के 194 गांवों की 32 हजार हेक्टेयर भूमि को सिंचाई सुविधा मिलेगी। परियोजना में 186.62 मिलियन घन मीटर जल उठाने और 102.30 मेगावाट बिजली की खपत का प्रवाधान है। किसानों को स्प्रेकलर और ड्रिप प्रणाली से सिंचाई करने की सुविधा मिलेगी। इससे कम पानी में सिंचाई और उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी।

पीएम मित्र पार्क से रोजगार के अवसर

मुख्यमंत्री ने कहा कि धार में पीएम मित्र पार्क से निमाड़-मालवा क्षेत्र के लगभग छह लाख कपास उत्पादक किसानों को लाभ मिलने की उम्मीद है। यहां कपास से धागा, धागे से कपड़ा और कपड़े से तैयार वस्त्र बनाने की व्यवस्था होगी। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से प्रदेश में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और क्षेत्र के युवाओं को पलायन से राहत मिल सकेगी। मुख्यमंत्री ने अमका-झमका माता मंदिर को श्रीकृष्ण पाथेय योजना के तहत तीर्थ के रूप में विकसित करने की जानकारी भी दी। उन्होंने कहा कि धार को जल्द मेडिकल कॉलेज की सौगात मिलेगी।

तहत प्रदेश के 16 लाख 70 हजार किसानों के खातों में 317.86 करोड़ रुपयों की राशि अंतरित की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सिंचाई का रकबा वर्ष 2002-03 में लगभग 7.50 लाख हेक्टेयर था, जो वर्ष 2023 तक बढ़कर 40 लाख हेक्टेयर हो गया। पिछले ढाई वर्षों में यह 60 लाख हेक्टेयर तक पहुंचा है। सरकार ने इसे 100 लाख हेक्टेयर तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है।

भारत मंडपम में छाया बालाघाट का जीआई टैग प्राप्त चिन्नौर चावल

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित तीन दिवसीय भारत अंतरराष्ट्रीय चावल सम्मेलन 2026 में मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के जीआई टैग प्राप्त चिन्नौर चावल को अंतरराष्ट्रीय मंच मिला है। 23 से 25 अक्टूबर तक आयोजित इस सम्मेलन में मध्य प्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड और कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीएड) के संयुक्त तत्वाधान में विशेष स्टॉल लगाया गया है। एक जिला-एक उत्पाद के तहत चयनित चिन्नौर चावल का प्रदर्शन किया जा रहा है। सम्मेलन में लालबारी चिन्नौर फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड बालाघाट का प्रतिनिधित्व कर रही है। एफपीओ अध्यक्ष ईशुपाल चौहान और संचालक सदस्य राधेलाल पटले ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय निर्यातकों, व्यापारियों और प्रतिनिधियों को चावल की गुणवत्ता, प्राकृतिक सुगंध तथा पारंपरिक महत्व की जानकारी दी। इस आयोजन से स्थानीय किसान उत्पादक संगठन को भारतीय निर्यातकों और विदेशी खरीदारों के साथ सीधे व्यापारिक संवाद का अवसर मिला है। इससे चिन्नौर चावल के अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहुंचने को संभावनाएं बढ़ी हैं। इसका लाभ स्थानीय धान उत्पादक किसानों को मिलने की उम्मीद है। अपनी विशिष्ट खुशबू, पकने के बाद कोमलता और मिठास के लिए प्रसिद्ध चिन्नौर चावल को वर्ष 2021 में भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग मिला था। सम्मेलन में इस चावल को आगंतुकों और निर्यातकों की सराहना मिल रही है।

भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक तकनीक को जोड़ेंगे एनआईटीटीटीआर भोपाल और पतंजलि संस्थान

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: भारतीय ज्ञान परंपरा को आधुनिक तकनीकी शिक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान और शिक्षक प्रशिक्षण से जोड़ने के लिए राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर), भोपाल तथा हरिद्वार के पतंजलि के तीन संस्थानों के बीच समझौता ज्ञापन किया गया है। इसमें पतंजलि भारतीय आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन और पतंजलि विश्वविद्यालय शामिल हैं।

इस समझौते का उद्देश्य संयुक्त शैक्षणिक गतिविधियों, अनुसंधान, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और अध्ययन सामग्री के विकास को प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर आचार्य बालकृष्ण ने तकनीकी शिक्षा, शिक्षक प्रशिक्षण और अनुसंधान के क्षेत्र में एनआईटीटीटीआर के



कार्यों में रुचि दिखाई। उन्होंने संयुक्त अनुसंधान और तकनीकी प्रशिक्षण उपकरणों के निर्माण में सहयोग की संभावनाओं को महत्वपूर्ण बताया। संस्थान के निदेशक प्रो. चंद्र चारु त्रिपाठी ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा को आधुनिक शिक्षा,

वैज्ञानिक अनुसंधान और वर्तमान सामाजिक आवश्यकताओं से जोड़ना जरूरी है। उन्होंने इस समझौते को विरासत से नवाचार की दिशा में सार्थक पहल बताया। भारतीय ज्ञान परंपरा विभाग के अध्यक्ष डॉ. पीके पुरोहित ने कहा कि इस सहयोग के माध्यम से

भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित प्रामाणिक अध्ययन सामग्री और शिक्षण संसाधन विकसित किए जाएंगे। कार्यक्रम में डॉ. वेदप्रिया आर्य, डॉ. रामेंद्र सिंह, डॉ. नयन मिश्रा सहित पतंजलि के विभिन्न संस्थानों के विशेषज्ञ और अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

भगवान श्रीकृष्ण के जीवन पर शोध करने वालों को सरकार देगी पूरा सहयोग : डॉ. यादव



नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के जीवन पर गहन शोध और उनके जीवन वृत्त की मीमांसा करने वाले शोधार्थियों एवं संस्थाओं को राज्य सरकार पूरा सहयोग देगी। भगवान श्रीकृष्ण का जीवन समाज के लिए आदर्श है। उनके जीवन से कर्तव्यनिष्ठा, मित्रता, सामाजिक समरसता और सुशासन की प्रेरणा मिलती है।

मुख्यमंत्री शनिवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में दो दिवसीय चौथे राष्ट्रीय एचआर-सीएसआर सम्मेलन 'अभ्युदय-2026' का शुभारंभ कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जहां गीता समाप्त होती है, वहीं से जीवन का अभ्युदय प्रारंभ होता है। भगवान श्रीकृष्ण ने कंस का वध करने के बाद स्वयं सत्ता नहीं संभाली, बल्कि योग्य व्यक्ति को जिम्मेदारी देने का संदेश दिया। उन्होंने जीवन की हर परिस्थिति में मानव धर्म और राजधर्म का पालन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण से जुड़े स्थलों को तीर्थ के रूप में विकसित कर रही है। इसके

लिए श्रीराम वन गमन पथ और श्रीकृष्ण पाथेय पर काम किया जा रहा है। भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से लोकतांत्रिक व्यवस्था उद्यमशीलता, माता-पिता के सम्मान और सामाजिक न्याय की सीख मिलती है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार युवाओं के कौशल विकास के लिए तीन स्किल यूनिवर्सिटी स्थापित करने की दिशा में काम कर रही है। भोपाल में ग्लोबल स्किल पार्क भी संचालित है। सरकार औद्योगिक निवेश बढ़ाने और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए प्रतिबद्ध है। टाटा समूह के प्रतिनिधि ने भी प्रदेश में कौशल विकास के क्षेत्र में विस्तार की मंशा जताई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में नशामुक्ति, योग और वेलनेस को बढ़ावा देने के प्रयास किए जा रहे हैं। सम्मेलन में भारतीय ज्ञान परंपरा को पर्यावरणीय जिम्मेदारी, सामाजिक कल्याण और सुशासन से जोड़ने पर चर्चा हुई। इसमें उद्योग जगत, शिक्षाविदों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

ई-विधानसभा: विधायकों का प्रशिक्षण सत्र 28 अक्टूबर से, विस अध्यक्ष तोमर करेंगे उद्घाटन

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: मध्यप्रदेश विधानसभा को पूरी तरह डिजिटल और पेपरलेस बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया जा रहा है। 'एक राष्ट्र, एक एप्लीकेशन' की अवधारणा के तहत नेशनल ई-विधान एप्लिकेशन (नेवा) में दक्ष बनाने के लिए विधायकों का तीन दिवसीय विशेष प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण तकनीकी और डिजिटल परिवर्तन के लिए प्रशिक्षण का उद्घाटन 28 अक्टूबर को मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर करेंगे।

उद्घाटन समारोह दोपहर 12 बजे विधान परिषद सभागार मध्य प्रदेश विधानसभा में होगा। 30 अक्टूबर तक चलने वाले इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी विधायकों को 'नेवा' एप्लीकेशन के उपयोग, डिजिटल विधायी कार्यों, ऑनलाइन प्रश्न-उत्तर और सदन की डिजिटल कार्यप्रणाली से परिचित कराया जाएगा। सभी विधायकों को पांच बैच में विभाजित कर प्रशिक्षण की रूपरेखा तैयार की गई है। बैच में 50 विधायकों को शामिल किया गया है।



गौरतलब है कि ई-विधानसभा होने के बाद सभी विधायक विधानसभा में प्रश्न लगाने, ध्यानाकर्षण और स्थगन की सूचनाएं देने, संकल्प पत्र, याचिकाओं सहित प्रक्रियाओं के लिए डिजिटल एप्लीकेशन का प्रयोग करेंगे। सत्रों के दौरान भी सदन की कार्यसूची, प्रश्नों के उत्तर, विधेयकों और विधायी जानकारी डिजिटल रूप में उपलब्ध होंगी। पुराने प्रश्न और कार्यवाही भी ऑनलाइन उपलब्ध होंगी। इस प्रक्रिया में सहायता करने वाले ओएसडी और निजी सहायकों को भी प्रशिक्षण में शामिल किया गया है। इस डिजिटल बदलाव से न केवल कागजी कामकाज में कमी आएगी, बल्कि विधानसभा की विधायी प्रक्रियाएं अधिक पारदर्शी, तीव्र और सुलभ हो सकेंगी।

भाजपा कार्यकर्ता कांग्रेस की अराजक राजनीति को जनता के सामने उजागर करें

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने शनिवार को उमरिया जिला कार्यालय में आयोजित जिला बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस की अराजक राजनीति को पार्टी कार्यकर्ता जनता के सामने उजागर करें। कार्यकर्ता संगठन को मजबूत बनाने के साथ पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का काम करें। चंद्रशेखर ने कहा कि कांग्रेस ने अपने कार्यों और तौर-तरीकों से देश को नुकसान पहुंचाया है। अब आंदोलनों की आड़ में देश में अराजकता की स्थिति पैदा करने का प्रयास किया जा रहा है। लोकतंत्र बचाने के नाम पर



संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाना विपक्ष की राजनीति का हिस्सा बन गया है। भाजपा 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के माध्यम से कांग्रेस की नीतियों और राजनीति को जनता के सामने उजागर करेंगे। उन्होंने

कहा कि मध्यप्रदेश में नक्सलवाद को पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है। भाजपा सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत करने, स्वदेशी संसाधनों को बढ़ावा देने, डिजिटल तकनीक का विस्तार करने और गरीब कल्याण की योजनाओं को

प्राथमिकता देने के लिए काम कर रही है। भारतीय संस्कृति के संरक्षण और पुनरुत्थान की दिशा में भी प्रयास किए जा रहे हैं। बैठक को प्रदेश शासन के मंत्री नाराय सिंह चौहान और संभाग प्रभारी गौरव सिरोठिया ने भी संबोधित किया।

देश और समाज का हित भाजपा का लक्ष्य

प्रदेश संगठन महामंत्री ने कहा कि कांग्रेस की नीतियों ने समाज में विभिन्न प्रकार के भेदभाव को बढ़ावा दिया, जबकि भाजपा ने आंदोलनों और जनजागरण के माध्यम से बेहतर व्यवस्था स्थापित करने का प्रयास किया है। चुनाव में पराजय के बाद कांग्रेस इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन पर सवाल उठाती है और संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर प्रहार करती है। कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर इन विषयों पर तथ्यपरक संवाद करें।

वर्षा का दौर थमा, लुढ़कने लगा रात का पारा

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: वातावरण में नमी कम होने के साथ ही वर्षा का दौर थम गया है। इसके साथ ही रात के तापमान में गिरावट दर्ज होने लगी है। इसी क्रम में शनिवार को प्रदेश में रात का सबसे कम 12.1 डिग्री सेल्सियस तापमान कटनी में दर्ज किया गया। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक अभी दो दिन तक मौसम का मिजाज इसी तरह बना रह सकता है, लेकिन मंगलवार से एक बार फिर बादल आने से न्यूनतम तापमान बढ़ने लगेगा। मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक वर्तमान में गहरा कम दबाव का क्षेत्र दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में बना हुआ है। इसके और तीव्र होकर रविवार को गहरे अददाब के क्षेत्र में

बदलने की संभावना है। साथ ही सोमवार को इस मौसम प्रणाली के चक्रवाती तूफान में बदलने के आसार हैं। एक पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी पाकिस्तान और उसके आसपास हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात के रूप में बना हुआ है। इसके अतिरिक्त पश्चिमी राजस्थान पर भी हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात मौजूद है। मौसम विज्ञानी वीएस यादव ने बताया कि वर्तमान में मौसम पूरी तरह शुष्क है। इस वजह से रात के तापमान में गिरावट होने लगी है। हालांकि बंगाल की खाड़ी में सोमवार को बनने जा रहे चक्रवाती तूफान के कारण प्रदेश में मंगलवार से बादल आने लगेंगे। इससे रात के तापमान में बढ़ोतरी होने लगेगी।

कल भाजपा कार्यालय में सोशल मीडिया कार्यशाला

नप, भोपाल :भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में 26 अक्टूबर को सोशल मीडिया विभाग की कार्यशाला आयोजित होगी। इसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर, सोशल मीडिया के राष्ट्रीय संयोजक दीपक म्हक्के और सह संयोजक शिवानंद द्विवेदी संबोधित करेंगे। प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक सुयश त्यागी ने बताया कि कार्यशाला में प्रदेश पदाधिकारी, संभाग और जिला स्तर के प्रभारी तथा कार्यकर्ता शामिल होंगे। उन्हें डिजिटल अभियानों और पार्टी की विचारधारा जन-जन तक पहुंचाने के संबंध में मार्गदर्शन दिया जाएगा।

स्वास्थ्य क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर मप्र को केंद्र से 221 करोड़ की वित्तीय सहायता

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन का परिणाम मध्यप्रदेश को बड़े प्रोत्साहन के रूप में मिला है। भारत सरकार ने प्रदेश को स्वास्थ्य अधोसंरचना के उन्नयन एवं सुदृढीकरण के लिए 221 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता स्वीकृत की है। यह सहायता राज्य को स्वास्थ्य संबंधी प्रमुख संकेतकों में उल्लेखनीय उपलब्धियों के आधार पर प्रदान की गई है। विशेष बात यह है कि यह राशि देशभर में राज्यों को प्राप्त स्वीकृतियों में तीसरी सबसे बड़ी सहायता है, जो स्वास्थ्य क्षेत्र में मध्यप्रदेश की प्रभावी कार्यप्रणाली

और निरंतर प्रगति को दर्शाती है। स्वीकृत राशि का उपयोग प्रदेश के शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों की अधोसंरचना को सुदृढ़ बनाने तथा स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार के लिए किया जाएगा। इसके अंतर्गत विशेष रूप से मातृ स्वास्थ्य, शिशु स्वास्थ्य, पोषण तथा क्षयरोग (टीबी) सेवाओं को और मजबूत किया जाएगा, जिससे प्रदेश के नागरिकों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। यह वित्तीय सहायता अस्पतालों एवं अन्य स्वास्थ्य संस्थाओं में आवश्यक सुविधाओं के विस्तार, सेवा

प्रदायगी में सुधार तथा राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के अनुरूप संस्थागत उन्नयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार, केंद्र सरकार द्वारा तय मानकों पर मध्यप्रदेश ने मातृ मृत्यु दर, शिशु मृत्यु दर में कमी, संस्थागत प्रसव को बढ़ावा और टीबी उन्मूलन कार्यक्रम में बेहतर प्रदर्शन किया है, जिसके चलते यह प्रोत्साहन राशि मिली है। प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ और गुणवत्तापूर्ण बनाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है।



नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: मध्यप्रदेश का शहडोल जिला अपनी समृद्ध वन संपदा और जैव विविधता के कारण वन्यजीव संरक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। जिले के घने जंगल बाघों, हाथियों, तेंदुओं और भालुओं सहित अनेक वन्यप्राणियों की आवाजाही के लिए प्राकृतिक गलियारों का काम करते हैं। शहडोल की भौगोलिक स्थिति मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के विभिन्न वन क्षेत्रों के बीच वन्यजीवों की

आवाजाही को सुगम बनाती है। शहडोल स्वयं टाइगर रिजर्व नहीं है।

गलियारों का संरक्षण जरूरी

वन्यजीव गलियारे ऐसे प्राकृतिक मार्ग हैं, जिनसे वन्यप्राणी एक जंगल से दूसरे जंगल तक पहुंचते हैं। जंगलों की कटाई, निर्माण कार्य और अन्य गतिविधियों से इन मार्गों में बाधा आने पर वन्यजीवों की आवाजाही प्रभावित हो सकती है। इससे प्राकृतिक आवासों के बीच संपर्क कमजोर होने और मानव-वन्यजीव संघर्ष की आशंका बढ़ सकती है।

जंगल, पानी और भोजन से आकर्षित होते हैं वन्यजीव

शहडोल के घने जंगल, साल के वन, प्राकृतिक जलस्रोत और भोजन की उपलब्धता वन्यप्राणियों के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनाते हैं। बाघ अपने क्षेत्र का विस्तार करने और नए आवास तलाशने के लिए दूसरे वन क्षेत्रों तक पहुंचते हैं। हाथी भी अपने पारंपरिक मार्गों से लंबी दूरी तय करते हैं। छत्तीसगढ़ से आने वाले हाथियों की अनुपपुर और शहडोल के वन क्षेत्रों से होकर बांधवगढ़ तक आवाजाही इन प्राकृतिक गलियारों के महत्व को दर्शाती है। बांधवगढ़ क्षेत्र में वर्ष 2018 के आसपास हाथियों का आगमन शुरू होने के बाद उनकी मौजूदगी वन्यजीव संरक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण बनी हुई है।